

أَلْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ أَمَا بَعْدُ فَآعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ ط بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ط

## शराब की तबाहकारियां

शराब नजिस (नापाक) और शैतानी काम है, इस से बचना इलाह व कामयाबी की अलामत है (मल्लख, १०, मल्लख) शराब बाहमी बुज्ज व अदावत पैदा करती और अल्लाह के रूबरू से रोकती है. (मल्लख, ११, मल्लख) **5 इरामीने मुस्तक़** : عمل الله تعالى غيبه بهم يتعلم (1) हर नशा आवर यीज शराब है और हर शराब हराम है. (मुसल्लम, ११०९, ११०९, २००३). (2) अल्लाह ने शराब पर, इस के नियोजने वाले और जिस के लिये नियोजी जाये उस पर, पीने वाले और पिलाने वाले, लाने वाले और जिस के लिये लाई जाये उस पर, बेचने व भरीदने वाले पर और इस की कीमत यानी कमाई जाने वाले तमाम अइराद पर लानत इरमाई है. (3) शराब को दीवार पर दे मारो क्यूंकि येह उस शम्स का मशरूब है जो अल्लाह और यौमे आपिरत पर ईमान नहीं रખता. (حطية الاولياء، १/ १५९، الحديث: १/ १५९). (4) शराबी जब शराब पीता है तो उस वक्त वोह मोमीन नहीं होता. (5) शराब सब से बडा गुनाह और तमाम बुराईयों की जड है, शराब पीने वाला नमाज छोड देता है और (बाज अवकात) अपनी मां, भाला और कुड़ी तक से बढकारी का मुरतक़िब हो जाता है (مجمع الزوائد، ५/ १०४، الحديث: १/ १०४). **शराब के 21 नुकसानात** : शराब की वजह से छन्सान के अप्लाक तो तबाह होते ही हैं, साथ में मुआशरे पर ली इस के गहरे असरात मुरतब होते हैं. \* शराब की वजह से जराछम की शई हद से बढ जाती है. \* शराबी को अपने पराये की तमीज नहीं रहती. \* शराबी वालिदैन के बच्चों पर मनई असरात मुरतब होते हैं. \* शराब बन्दे की अकल में कुनूर डाल देती है. \* शराब माल को आयेय और बरबाद करती और तंगदस्ती का सबब बनती है. \* शराब जाने की लज्जत और दुरुस्त कलाम से महरूम कर देती है. \* शराब हर बुराई की कुन्ज है और शराबी को बहुत से गुनाहों में मुब्तला कर देती है. \* येह शराबी को बढकारों की मजलिस में ले जाती है, अपनी बढबू से उस के कातिब इरिशतों को ईजा देती है. \* येह शराबी पर आसमानों के दरवाजे बन्द कर देती है, 40 दिन तक उस का कोई अमल ठीपर पहोयता है न दृआ. \* येह शराबी की जान और ईमान को अतरे में डाल देती है. इस लिये मरते वक्त ईमान छिन जाने का भदशा रहता है. \* छन्तिदा में बढने छन्सानी शराब के नुकसानात का मुकाबला कर लेता है और शराबी को भुशगवार कैडियत मिल जाती है मगर जल्द ही दामिली (यानी जिस्म की अन्दरूनी) कुव्वते बरदाश्त अत्म हो जाती है और मुस्तक़िल मुजिर् असरात मुरतब होने लगते हैं. मसलन \* शराब का सब से जियादा असर जिगर (कलेजे) पर पडता है और वोह सुकडने लगता है. \* गुहों पर छाई भोज पडता है जो निढाल हो कर नाकारा हो जाते हैं. \* शराब की कसरत हिमाग को मुतवर्धम (यानी सूजन में मुबतला) करती है. \* आसाब में सोजिश हो जाती है नतीजतन आसाब कमजोर और डिंर तबाह हो जाते हैं. \* मेअदे में सूजन हो जाती है. \* हडियां नर्म और भस्ता (यानी बहोत ही कमजोर) हो जाती हैं. \* शराब जिस्म में मौजूद विटामिन्स के ज़माछर को तबाह कर देती है, विटामिन B और C इस की गारत गिरी का बिल भुसूस निशाना बनते हैं. \* शराब के साथ तम्बाकु नोशी की जाये तो इस के नुकसानात कछ गुना बढ जाते हैं और हाईब्लड प्रेशर, स्ट्रोक और हाई अटेक का शदीद अतरा रहता है. \* बकसरत शराब नोशी थकन, सर दर्द, मतली और शिद्वते प्यास में मुबतला कर देती है. \* बसा अवकात बला नोशी से दिल् की हरकत और अमले तनइकुस रुक जाता जिस से ड़ैरी मौत वाकैय हो सकती है. **शराबी की दृन्या में सजा** शराब नोशी, शराबी पर 80 कोडे वाजिब कर देती है लिहाज अगर वोह दृन्या में इस सजा से बच ली गया तो आपिरत में मज्लूक के सामने उसे कोडे मारे जायेगे. **शराबी की कब्र में सजा** कब्र में शराबी का येहरा डिबले से डिंर जाता है (شرح لسنور، ص 172). उस पर हो सांप मुक़रर कर दिये जाते हैं जो उस का गोशत नोय नोय कर भाते रहते हैं. **शराबी की आपिरत में सजा** \* शराबी बरोजे कियामत इस हाल में आयेगा के उस का येहरा सियाह होगा, ज़बान सीने पर लटक रही होगी, थूक बह रहा होगा और हर देभने वाला उस से नइरत करेगा. (الكامل في ضعفاء الرجال، 2/ 502). \* आग की सूली पर लटकाया जायेगा, प्यास लगने पर कली बढबूदार पसीना तो कली भौलता पानी पिलाया जायेगा, जाने को कांटेदार दरभ्त होंगे, पांव में आग की जूतियां पहनने की वजह से हिमाग भोलने लगेगा यहां तक के नाक और कान के रास्ते बह जायेगा. \* शराबी जहन्नम में डिंरऔन व हामान का पडोसी होगा. (नेकियों की जज़ायें और गुनाहों की सजायें, स.22 ता 31, मुलभ्रसन)

शराब और दीगर गुनाहों से बचने और सुन्नतों लरी उन्डगी गुआरने के लिये दावते छस्लामी के मदनी माहोल से वाबस्ता हो जाछये.